हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 125 देहरादून, बृहस्पतिवार, 03 नवंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मोदी सरकार पावर हाउस है : सतपाल महाराज

3

प्रदेश में सभी सेतुओं का किया जायेगा सेफ्टी ऑडिट

प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग द्वारा किये गये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 नवम्बर। प्रदेश में सभी सेतुओं का सेफ्टी ऑडिट किया जायेगा इससे सम्बन्धित शासनादेश प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग आर0के0सुधांशु द्वारा जारी किया गया है। इस सम्बन्ध में पूर्व में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिये गये थे। प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु द्वारा जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रदेश में सेतुओं का उचित अनुरक्षण न होने, मानकानुसार Periodically safety audit की निर्धारित समय में व्यवस्था न होने, भार क्षमता से अधिक यातायात संचालन होने, सेतुओं के समीप साईनेजेज न होने तथा सेतुओं की अत्यधिक समयावधि (निर्माण की) होने से देश एवं प्रदेश के कई महत्वपूर्ण सेतु दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, जिसमें जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आवागमन बाधित हो रहा है।

उन्होंने प्रमुख अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिये है कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इस सम्बन्ध में तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करते हुये प्रदेश में अवस्थित सेतुओं से सम्बन्धित अद्यतन सूचना प्रत्येक दशा में 03 सप्ताह के अन्दर शासन में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि सेतुओं के सम्बन्ध में लोक निर्माण विभाग के जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा सम्बन्धित जनपद के जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर ऐसे सेतु जिनको निर्मित हुये कई वर्ष हो चुके हैं, उनमें भार क्षमता के आधार पर आवागमन सुनिश्चित किया जाय। प्रत्येक सेतु का safety audit करते हुये आवश्यकतानुसार अनुरक्षण आदि का प्रस्ताव तत्काल शासन को उपलब्ध कराया जाय सेतुओं के समीप साईनेजेज की उचित व्यवस्था की जाय किसी भी प्रकार की दुर्घटना की स्थिति में सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे।

काम की बात : खुद के बारे कितना जानते हैं आप ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 नवंबर , इंसान के अंदर ही रहस्यों और ज्ञान का ऐसा संसार होता है जिसके बारे में अक्सर हम जानते ही नहीं हैं या हमने जानने की कोशिश ही नहीं की है। लिहाज़ा आज हम आपको आपके बारे में दस अहम जानकारियां दे रहे हैं। यूँ तो मनोवैज्ञानिक तथ्य तो अनेक है पर यहाँ जिक्र कुछ ख़ास रोचक तथ्यों की है। तो लीजिए आज आप खुद के बारे में 10 रोचक मनोवैज्ञानिक तथ्य जान लीजिये।

१- जिसे हम अपने अंतर्मन की आवाज़ कहते हैं वह वास्तव में हमारे बचपन में पड़े संस्कार होते हैं। यदि आप ने सही पाये हैं तो ग़लत काम करते वक्त आपके अंतर्मन आपको रोकेगा।

२- किसी से हाँ करवानी हो तो प्रश्न पूछते वक्त अपना चेहरा हल्के से हाँ में ऊपर नीचे करें, देखने वाले पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और वह भी हाँ कर देगा।

3- मानव मस्तिष्क दिन के मुकाबले रात में अधिक सक्रिय रहता है। क्योंकि जब शरीर आराम की स्थिति में होता है तो मस्तिष्क सक्रिय हो जाता है।

४- किसी ने हमारे साथ धोखा किया, उस से दूरी बनाना तो स्वाभाविक है परंतु यदि हमने किसी के साथ धोखा किया है तो हम उससे दूरी बना लेते हैं।

५- जब हम अपना मनचाहा पा लेते हैं तो फिर उसका महत्व हमारे लिए बहुत कम हो जाता है- चाहे वह वस्तु हो या मनुष्य।

६- हमारा मस्तिष्क विकिपीडिया से ५ गुना अधिक सूचनाएँ संचय कर सकता है। सुनकर विश्वास नहीं होता न? पर बात सही है अतः इस बात की चिन्ता मत करिये कि हाय बच्चों पर पढ़ाई का कितना दबाव है।

७- जब कोई ऐसी परेशानी है जो आप किसी से नहीं कह सकते, किसी के प्रति क्रोध अथवा नकारात्मक विचार हैं तो उन्हें पूरे विस्तार से एक काग़ज़ पर लिख डालिए। उसे एक दो बार पढ़ें और फिर वह कागज जला दें। आपका चित शांत हो जायेगा।

८- किसी की कॉल उठाने से पहले एक बार मुस्कुराइए, शर्तिया आपकी मुस्कुराहट आवाज़ के साथ श्रोता तक पहुँच जायेगी और उस के चेहरे पर भी मुस्कान आ जायेगी।

९- ज़िन्दगी में जो व्यक्ति हमारी उपेक्षा करते हैं उन्हें तो हम अधिक तवज्जो देते हैं और जो हमारी वास्तव में परवाह करते हैं उन्हें हम नजरअंदाज करते रहते हैं। आगे से इस बात का ख़्याल रखिए कि जो आपका अच्छा बुरा उन्हें आप पूरा महत्व दें। उनके आभारी रहें।

१०- कोई बात, कोई नाम या घटना याद नहीं आ रही? थोड़ी देर आँख मूँद उसी जगह खड़े होने की कल्पना करिये, याद आने की सम्भावना कई गुणा बढ़ जाती है।

पत्नी उठाओ रेस : फिनलैंड में बीवी उठाकर क्यों भागते हैं हस्बैंड ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 नवंबर , आप दुनिया में कहीं भी चले जाइये , आपको एक रिश्ता हमेशा रूमानी मिलेगा और वो है हस्बैंड वाइफ का .... संस्कार , परम्पराएं और रिवाज़ भले अलग हों लेकिन इनकी भावनाएं एक जैसी ही होती है। इन्हीं रिश्तों में अक्सर कुछ ऐसी रोचक घटनाए भी मिलती हैं जिसको देखकर , जानकार और पढ़कर रोमांच का अनुभव होता है।

पति पत्नी के रिश्तों की इसी मिठास का अनूठा नमूना देखना है तो हमारी इस खबर को पढ़िए जिसमें आज हम गजब के मुकाबले के बारे में बता रहे हैं। आपको करना बीएस इतना है कि इस खेल को महसूस करना है। युगल जोड़े के खेल में इसके नियम भी बेहद आसान है, यहाँ हस्बैंड को पत्नी को कंधे पर लेकर सबसे पहले मंजिल तक पहुंचना होता है।आपको सुनकर अजीब और रोमांच का एहसास हो रहा होगा लेकिन जनाब ये कम्पटीशन होता है फिनलैंड में .. इस खेल में लोगों को महिलाओं को उठाकर दौड़ना होता है. ये जरूरी नहीं है कि लोग अपनी ही पत्नी को उठाकर दौड़ें, बल्कि किसी और की पत्नी को भी उठाकर रेस लगा सकते हैं. हालांकि आमतौर पर लोग अपनी पत्नियों को ही उठाकर रेस में दौड़ते हैं. जिस तरह एक शादीशुदा जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते हैं, उसी तरह प्रतियोगिता में भी दौड़ते हुए कई बाधाओं को पार करना पड़ता है। कुछ ही सालों में इस रोमांटिक प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में जोडों ने हिस्सा लेकर इसको विश्व भर में रोचक बना दिया है। फिनलैंड इसी प्यार भरे एहसास को तरोताज़ा बनाये रखने के लिए हर साल अजीबोगरीब विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन करता है। जिसमें पुरुष अपनी पत्नियों को एक बाधा ट्रैक में सबसे तेजी से ले जाने का प्रयास करते हैं,.. जिसमें भव्य पुरस्कार के रूप में उनकी महिला का वजन जितना बीयर मिलती है।

सावधान ! कहीं Aadhaar के नाम पर खाली न हो जाए आपका बैंक अकाउंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 नवंबर , आप दुनिया में कहीं भी चले जाइये , आपको एक रिश्ता हमेशा रूमानी मिलेगा और वो है हस्बैंड वाइफ का .... संस्कार , परम्पराएं और रिवाज़ भले अलग हों लेकिन इनकी भावनाएं एक जैसी ही होती है। इन्हीं रिश्तों में अक्सर कुछ ऐसी रोचक घटनाए भी मिलती हैं जिसको देखकर , जानकार और पढ़कर रोमांच का अनुभव होता है।

पति पत्नी के रिश्तों की इसी मिठास का अनूठा नमूना देखना है तो हमारी इस खबर को पढ़िए जिसमें आज हम गजब के मुकाबले के बारे में बता रहे हैं। आपको करना बीएस इतना है कि इस खेल को महसूस करना है।

युगल जोड़े के खेल में इसके नियम भी बेहद आसान है, यहाँ हस्बैंड को पत्नी को कंधे पर लेकर सबसे पहले मंजिल तक पहुंचना होता है।आपको सुनकर अजीब और रोमांच का एहसास हो रहा होगा लेकिन जनाब ये कम्पटीशन होता है फिनलैंड में .. इस खेल में लोगों को महिलाओं को उठाकर दौड़ना होता है. ये जरूरी नहीं है कि लोग अपनी ही पत्नी को उठाकर दौड़ें, बल्कि किसी और की पत्नी को भी उठाकर रेस लगा सकते हैं. हालांकि आमतौर पर लोग अपनी पत्नियों को ही उठाकर रेस में दौड़ते हैं.

जिस तरह एक शादीशुदा जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते हैं, उसी तरह प्रतियोगिता में भी दौड़ते हुए कई बाधाओं को पार करना पड़ता है। कुछ ही सालों में इस रोमांटिक प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में जोडों ने हिस्सा लेकर इसको विश्व भर में रोचक बना दिया है। फिनलैंड इसी प्यार भरे एहसास को तरोताज़ा बनाये रखने के लिए हर साल अजीबोगरीब विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन करता है। जिसमें पुरुष अपनी पत्नियों को एक बाधा ट्रैक में सबसे तेजी से ले जाने का प्रयास करते हैं,.. जिसमें भव्य पुरस्कार के रूप में उनकी महिला का वजन जितना बीयर मिलती है।

मोदी सरकार पावर हाउस है : सतपाल महाराज

केंद्र की योजनाओं से आम लोगों को पहुंचा बडा लाभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून/हिमाचल 2 नवम्बर , केंद्र सरकार पावर हाउस के समान होती है। जो पावर हाउस से जुड़ता है उसे केंद्र की सहायता मिलती है और उस राज्य का विकास तेजी से होता है।

ये कहना है उत्तराखंड के पर्यटन, लोक निर्माण, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, सिंचाई, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज का , जो हिमाचल के जनपद मण्डी स्थित नाचन, दयारगी के चैल चौक में भाजपा प्रत्याशी विनोद कुमार की विशाल चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए कही ।कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी विनोद कुमार को भारी मतों से जिताने की अपील करते हुए कहा कि केंद्र सरकार एक पावर हाउस के समान होता है और जो पावर हाउस से जुड़ता है उसे केंद्र की सहायता मिलती रहती है। वहां विकास तेज गति से होता है। उन्होंने अपने संबोधन में केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार कई ऐसी जन कल्याणकारी योजनाएं लेकर आई, जिनसे आम लोगों को बेहद लाभ पहुंचा। जन धन योजना, आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और उज्ज्वला योजना से करोड़ों लोगों के जीवन में परिवर्तन देखने को मिला ।सतपाल महाराज ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' का लाभ लाखों किसानों को मिल रहा है। इस योजना का लाभ उन किसानों को मिलता है, जिनके पास 2 हेक्टेयर से कम जमीन है। योजना के तहत ऐसे किसानों के परिवारों को हर वर्ष 6 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इस योजना का लाभ लाखों गरीब किसानों को हो रहा है। अगर आप अपना कोई व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, तो 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजना' का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना के तहत 10 लाख रुपये तक का लोन दिया जाता है। आयुष्मान भारत योजना गरीबों के लिए जीवनदान साबित हो रही है। इसके तहत 10 करोड़ गरीब परिवारों को 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष फ्री बीमा की सुविधा दी जा रही है। इस योजना के कारण करोड़ों लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं।मंत्री महाराज ने चुनावी सभा में कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत केंद्र सरकार का लक्ष्य सभी को घर उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत होम लोन में सब्सिडी दी जा रही है। इस सब्सिडी के तहत होम लोन लेने वाले को लगभग 2 लाख 60 हजार रुपये का लाभ मिलता है। पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं के मुश्किल भरे जीवन की राह आसान की है। इस योजना की वजह से लाखों महिलाएं बिना किसी परेशानी के घर में खाना बना रही हैं।उन्होने कहा कि मोदी सरकार की ओर से दो बीमा योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ लाखों लोग उठा रहे हैं। इनमें एक है, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और दूसरी जीवन ज्योति बीमा योजना। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत मात्र 12 रुपये प्रतिवर्ष के प्रीमियम का भुगतान कर 2 लाख रुपये तक का सुरक्षा कवर पा सकते हैं। वहीं, जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत सालाना 300 रुपये प्रतिवर्ष का भुगतान कर 2 लाख रुपये का कवर मिलता है। इस योजना का लाभ 18 वर्ष से 50 वर्ष की आयुवर्ग के लोग उठा सकते हैं।कैबिनेट मंत्री महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना की कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने भी तारीफ की है। इस योजना के जरिए लाखों गरीब लोगों का बैंक अकाउंट जीरो बैलेंस पर खुलवाया गया। इन खातों को खुलवाने का एक लाभ ये भी हुआ है कि अब सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं का लाभ सीधे जन धन खातों में ट्रांसफर कर दिया जाता है। कोरोना महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने लाखों लोगों का पेट भरा। इस योजना के तहत 5 किलो राशन प्रति व्यक्ति हर महीने मुफ्त दिया गया। योजना का सीधा लाभ 80 करोड़ से अधिक लोगों को पहुंच है। केंद्र सरकार ने यह पहल कोरोना काल में खाद्य सुरक्षा कानून के तहत की थी। अगर ये योजना शुरू न होती, तो शायद कोरोना महामारी के दौरान जब काम धंधे बंद हो गए थे, तब लोगों के सामने बडा संकट खडा हो जाता। महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है। विश्व में भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में खड़ा हुआ है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण से भारत पुनः विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ रहा है।अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण हो या जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय, हर मामले में मोदी सरकार कि सर्वत्र प्रशंसा हो रही है।

'विद्या संवाद' को जनपदों में जायेंगे वरिष्ठ अधिकारी : डॉ0 धन सिंह रावत

विद्यालयों का निरीक्षण कर महानिदेशालय को सौंपेंगे रिपोर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 नवम्बर। 'विद्या संवाद' कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी विभागीय कार्यों की समीक्षा के लिये विभिन्न जनपदों में जायेंगे। जहां वह शिक्षकों, अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित करेंगे। विद्या संवाद कार्यक्रम के दौरान विभागीय अधिकारी शिक्षा की गुणवत्ता सहित विभागीय कार्यों का अवलोकन करेंगे, साथ ही न्यायालय में योजित वादों की संख्या में कमी लाने के लिये संबंधित शिक्षकों से वार्ता करेंगे। इसके लिये शिक्षा महानिदेशालय द्वारा सभी जनपदों के लिये अधिकारी नामित कर दिये हैं ।विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह प्रदेशभर में विद्या संवाद कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जिसके तहत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न जनपदों में जाकर शिक्षकों, अभिभावकों और छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिये महानिदेशालय स्तर से जनपदवार अधिकारी नामित कर दिये गये है, जो शीघ्र ही संबंधित जनपदों में जाकर संवाद स्थापित करेंगे।

न्यायालय में योजित वादों में कमी लाने का भी करेंगे प्रयास

विभागीय मंत्री ने बताया कि महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी को देहरादून जनपद आवंटित किया गया है, जबकि निदेशक माध्यमिक शिक्षा राकेश कुमार कुंवर को पिथौरागढ़, निदेशक अकादमी शोध एवं प्रशिक्षण सीमा जौनसारी को हरिद्वार, निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा वंदना गर्ब्याल को टिहरी, अपर निदेशक महानिदेशालय विद्यालयी शिक्षा राम कृष्ण उनियाल को उत्तरकाशी, अपर निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा एस0पी0 खाली को चमोली, अपर निदेशक एससीईआरटी डॉ0 आर0डी0 शर्मा को पौड़ी गढ़वाल, संयुक्त निदेशक डॉ0 एस0बी0 जोशी को चम्पावत, संयुक्त निदेशक एससीईआरटी आशा पैन्यूली को ऊधमसिंह नगर, प्रभारी अपर निदेशक सीमैट दिनेश चन्द्र गौड़ को रूद्रप्रयाग, संयुक्त निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा रघुनाथ लाल आर्य को बागेश्वर, हरीश चन्द्र सिंह रावत को नैनीताल और संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा कंचन देवराड़ी को अल्मोडा जनपद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डॉ0 रावत ने बताया कि विद्या संवाद कार्यक्रम के तहत नामित अधिकारी अपने-अपने जनपदों के प्रत्येक विकासखंड में कम से कम तीन विद्यालयों का समग्र अनुश्रवण करेंगे, जिसकी रिपोर्ट वह आगामी 15 नवम्बर तक महानिदेशालय को उपलब्ध करायेंगे। डॉ0 रावत ने बताया कि विद्या संवाद कार्यक्रम के दौरान विभागीय अधिकारी न्यायालयों में दायर विभिन्न वादों से संबंधित शिक्षकों के साथ वार्ता कर वादों की संख्या में कमी लाने का प्रयास भी करेंगे ताकि वादों से संबंधित विभिन्न लम्बित प्रकरणों पर विभाग अग्रिम कार्रवाही कर शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुचारू कर सकेगा।

इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान विद्यालयों में अधूरे पड़े निर्माण कार्यों, परीक्षाफल सुधार, वर्चुअल कक्षाओं के संचालन, एनईपी के अंतर्गत बालवाटिका कार्यक्रम की स्थिति, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता सहित छात्रों के पठन-पाठन आदि की स्थिति का जायजा लेने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये गये हैं। डॉ0 रावत ने बताया कि विद्या संवाद कार्यक्रम की सभी जनपदों से प्राप्त रिपोर्ट की समीक्षा की जायेगी और रिपोर्ट में सुझाये गये सुझावों को अमल में लाया जायेगा।

राज्य स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला कार्यक्रम आज, प्राकृतिक कृषि योजना का शुभारम्भ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 2 नवंबर। प्रदेश के कृषि व कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी देहरादून के हाथीबड़कला स्थित सर्वे स्टेडियम में आज से आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने सभी व्यवस्थाओं समय से पूर्ण करने के मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए। आपको बता दें कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए आज राज्य स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत का मार्गदर्शन ओर उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उपस्थिति रहेंगे। कार्यक्रम में प्रदेशभर से 3 हजार से अधिक किसान प्रतिभाग करने पहुंचे हैं। जहां किसानों से सीधे संवाद किया जाएगा। कार्यक्रम में प्राकृतिक कृषि बोर्ड का गठन और मुख्यमंत्री प्राकृतिक कृषि योजना का शुभारम्भ एवं नमामी गंगे प्राकृतिक कृषि कॉरीडोर योजना का शुभारम्भ किया जाएगा। वहीं मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि किसानों की आय दुगनी करने की दिशा में केंद्र ओर राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। मंत्री जोशी ने कहा कि निश्चित तौर पर इस कार्यशाला से प्रदेश भर के किसानों को अवश्य लाभ मिलेगा। इस अवसर पर कृषि निदेशक गौरी शंकर, अपर निदेशक कृषि के.सी. पाठक सहित अन्य प्रशानिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत कांस्टेबल की पत्नी को 50 लाख रुपए का चेक सौंपा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 नवंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांस्टेबल स्वर्गीय प्रदीप कुमार की पत्नी दीपमाला को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में 50 लाख रुपए का चेक सौंपा। यह चेक एचडीएफसी बैंक की ओर से कांस्टेबल स्वर्गीय प्रदीप कुमार की पत्नी को दिया गया।

प्रदीप कुमार का वेतन अकाउंट एचडीएफसी बैंक में संचालित था, जबकि उनका कोई अंशदान भी नहीं कट रहा था।उधमसिंहनगर के निवासी कांस्टेबल प्रदीप कुमार विकासनगर क्षेत्राधिकारी कार्यालय में तैनात थे।

15 मई 2022 को उनकी दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने डीजीपी अशोक कुमार को निर्देश दिए कि कुछ ऐसी सुदृढ़ व्यवस्था की जाय कि ऐसी घटना होने पर जवानों के परिवारजनों को कुछ आर्थिक मदद मिल सके। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, डीजीपी अशोक कुमार, सर्कल हेड एचडीएफसी बैंक बकुल सिक्का मौजूद थे।

पौड़ी के नवनियुक्त जिलाधिकारी आशीष चौहान ने स्पीकर खंडूड़ी से की मुलाकात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 2 नवंबर । पौड़ी के नवनियुक्त जिलाधिकारी आशीष चौहान ने कार्यभार संभालने के बाद उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष व कोटद्वार से विधायक ऋतु खंडूडी भूषण से देहरादून में उनके शासकीय आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने जिलाधिकारी को शुभकामनाएं देते हुए कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा की।

इस बैठक के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी से विस्तार में बातचीत की। विधानसभा अध्यक्ष ने क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था सहित विभिन्न प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन योजनाओं पर काम किए जाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सबसे आवश्यक कार्य है। विधानसभा अध्यक्ष ने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि शीघ्र ही कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र में संचालित योजनाओं को समय पर पूर्ण करने एवं नई योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए कदम उठाने के संबंध में विभागों की समीक्षा करें।

ऋतु खंडूडी ने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त जिलाधिकारी के आने के बाद कोटद्वार में विकास के कार्यों को गति मिलेगी।

इस मौके पर जिलाधिकारी आशीष चौहान ने भी विधानसभा अध्यक्ष को आश्वस्त करते हुए कहा कि क्षेत्र का विकास, कानून व्यवस्था को मजबूत करना एवं स्वास्थ्य व शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता होगी।

चार नवंबर को प्रदेश में इगास बग्वाल पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 2 नवंबर । देहरादून , 3 नवम्बर , उत्तराखंड में चार नवंबर को लोकपर्व इगास का अवकाश रहेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के बाद मंगलवार को शासन ने छुट्टी का आदेश जारी कर दिया। बीते दिनों मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गढ़वाली बोली में ट्वीट किया था। ट्वीट में उन्होंने लिखा था कि 'आवा ! हम सब्बि मिलके इगास मनोला, नई पीढ़ी ते अपणी लोक संस्कृति से जुड़ोला।सचिव प्रभारी विनोद कुमार सुमन की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, चार नवंबर को प्रदेश के सभी सरकारी, अशासकीय कार्यालयों, शैक्षिक संस्थानों, प्रतिष्ठानों के साथ ही बैंक व कोषागार भी बंद रहेंगे। गौरतलब है कि प्रदेश में दिवाली के 11 दिन बाद लोकपर्व

इगास बग्वाल मनाया जाता है। सरकार का मकसद है कि सभी लोग इस त्योहार को धूमधाम से मनाएं और नई पीढ़ी को भी इस इस त्योहार से जोड़ें।

विधायक उमेश कुमार की सीएम धामी को चिट्ठी, ये दिया सुझाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खानपुर विधायक उमेश कुमार और लक्सर विधायक शहजाद ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर विधानसभा का आगामी शीतकालीन सत्र देहरादून में आयोजित करवाने का अनुरोध किया है।

खानपुर विधायक उमेश कुमार ने 1 नवम्बर 2022 को भेजे अपने पत्र में मुख्यमंत्री धामी से अनुरोध किया है कि उत्तराखण्ड में आमजन की भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए ग्रीष्मकालीन विधानसभा सत्र को गैरसैण तथा शीतकालीन विधानसभा सत्र देहरादून में संपन्न कराया जाए। वहीं लक्सर विधायक शहजाद ने भी 1 नवम्बर 2022 को भेजे अपने पत्र में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गैरसैण में अत्यधिक ओलावृष्टि, वर्षा तथा निरन्तर हिमपात होने

के कारण विधानसभा का शीतकालीन सत्र देहरादून में ही आयोजित करवाने का आग्रह किया है।ये तो जगज़ाहिर है कि विपक्ष के नाम पर कांग्रेस को कमज़ोर विपक्ष बताने वाले निर्दलीय विधायक उमेश कुमार खुद को वन मैन आर्मी और विपक्ष का मजबूत स्तम्भ बताते हैं। लेकिन देखना है सरकार इन विधायकों के अनुरोध पर क्या फैसला करती है। वैसे विधायक उमेश कुमार और सरकार में बेहद नजदीकियां हैं और खुद मुख्यमंत्री धामी ने अपने रिश्तों की मिठास का एहसास अक्सर खानपुर विधायक कराते ही रहते हैं। ऐसे में सुझाव पर सकारात्मक फैसले की ही उम्मीद जताई जा रही है।

डीएम युगल किशोर पंत का अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी, लोगों को राहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर , 2 नवम्बर , जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी/मुख्य नगर आयुक्त विशाल मिश्रा के नेर्तत्व में काशीपुर रोड गल्ला मण्डी गेट से इन्दिरा चौक तक नगर निगम, राजस्व विभाग, पुलिस बल एवं एनएच द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने एवं चालान की कार्यवाही की गयी। इस दौरान जेसीबी से एनएच की जद मे ठेले, फड़, खोखे, होर्डिंग, बैनर आदि को हटाते हुए अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। इसी के साथ राजस्व विभाग, नगर निगम व पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा चालान कटाने की कार्यवाही भी की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि अतिक्रमण हटाने का यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होने कहा कि शहर के अन्य ऐसे सभी स्थानों पर जहां सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया गया है उन स्थानों को अतिक्रमण से मुक्त कराने हेतु प्रशासन द्वारा निरन्तर अभियान चलाया जायेगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी प्रत्युष सिंह, सीओ आशीष भारद्वाज, तहसीलदार नीतू डागर, एसएनए राजू नबियाल के साथ भारी मात्रा में पुलिस बल, नगर निगम की टीम आदि उपस्थित थे।

भर्ती परीक्षाओं में हुई धांधली के दोषियों को बचाया जा रहा : भुवन कापड़ी , उप नेता विपक्ष

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,2 नवंबर , उत्तराखंड के उप नेता विपक्ष और खटीमा से कांग्रेस विधायक भुवन कापडी ने कहा कि, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की भर्ती परीक्षाओं में धांधली व विधानसभा भर्ती का जो मामला हुआ था वो मामले युवाओं से जुड़े है व हमारे द्वारा पूर्व में सचिवालय में धरना देकर UKSSSC मामले की जांच सीबीआई से कराए जाने की मांग की गयी थी लेकिन प्रदेश सरकार सीबीआई जांच को तैयार नही हुई व एसटीएफ जांच कराई गई, उक्त जांच में अभी तक 20 आरोपियों की जमानत हो चुकी है, एसटीएफ बिना सबूतों के लोगों को उठाती रही और वें लोग जमानत पर छूटते रहे। पूर्व में भी रुड़की में इस प्रकार का मामला हुआ था व उक्त मामले में भी आरोपियों को जमानत मिल चुकी थी।

उच्च न्यायालय में सरकारी वकील सरकार का पक्ष रखते है जिससे पता चलता है कि सरकार की मंशा क्या है। महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण मामले में भी सरकार के वकील असफल साबित हुए। सरकार के वकील अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर दायर रिट पिटीशन में सरकारी वकील एसटीएफ की जांच को कोर्ट में सही ठहराने में कामयाब रही।

सरकार द्वारा लोक सेवा आयोग को ट्रांसफर की गई समूह ग की भर्ती में उनके द्वारा जटिल शर्तें रखी गयी है व उत्तराखंड के युवाओं के अधिकारों को मारा जा रहा है, इनके द्वारा इस परीक्षा में उत्तराखंड का स्थायी निवासी होने की बाध्यता के बजाय उत्तराखंड से 10 वीं व 12 वीं की परीक्षा

पास किये जाने की बाध्यता रखी गयी है। उन्होंने कहा कि आज 2-3 भर्ती परिक्षाओं में उत्तीर्ण युवा भी सड़कों पर प्रदर्शन को मजबूर है। जीरो टारलेन्स, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, युवा नेतृत्व का नारा देने वाली ये भाजपा सरकार हर मोर्चे में विफल साबित हुई है वंही भाजपा की प्रदेश सरकार केवल छोटी-छोटी बातों में सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का कार्य कर रही है व अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की भर्ती परीक्षाओं में हुई धांधली के दोषियों को बचाने का कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा गलत कम्पनी को परिक्षा कराने का ठेका दिया गया, जिससे इसमें सरकार की संलिप्तता परिलक्षित होती है। आज प्रदेश के युवाओं की मांग पर भी सरकार द्वारा सीबीआई जांच के बजाय एसटीएफ जांच करायी जा रही है। विधानसभा भर्ती प्रक्रिया में आवेदन करने वाले दोषी नही है बल्कि भर्ती करने वाले दोषी है, जिन सफेदपोशो ने व्यवस्था के खिलाफ कार्य किया है वो दोषी है, विधानसभा भर्ती में मुख्यमंत्री से लेकर सभी मनत्रियों में नौकरियों की बंदरबांट हुई है। सरकार युवाओं के भविष्य के लिए कोई नींव स्थापित नही कर पायी है। प्रदेश सरकार द्वारा फिल्मी स्टोरी की तरह पहले हाकम सिंह, केन्द्रपाल, चंदन मनराल व फिर सादिक मूसा पर उक्त धांधली का आरोप मढ़ा गया है। इसके साथ साथ भुवन कापड़ी ने आशंका जताई है कि धीरे-धीरे सभी लोगो को जमानत मिल जाएगी।

ड्रोन एक्सपर्ट बनेंगे उत्तराखंड के स्टूडेंट : अमित सिन्हा , निदेशक , ITDA

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 नवम्बर , एक अच्छी खबर उन युवाओं के लिए है जो तकनीकि के क्षेत्र में भविष्य बनाना चाहते हैं। ड्रोन टेक्निकल एक ऐसा ही विशाल फील्ड है जहाँ आज संभावनाएं बढ़ रही है। उत्तराखंड में युवाओं को रोजगार के साथ ड्रोन विशेषज्ञ बनाने की योजना शुरू होने जा रही है. इसके लिए हर जिले में एक ड्रोन स्कूल खोलने की योजना बनाई गई है. विभिन्न जिलों में इन स्कूलों को चलाने के लिए प्रदेश के ITDA ने तैयारियां पूरी कर ली हैं. बता दें कि ड्रोन का उपयोग फिल्म इंडस्ट्री और सिक्योरिटी, आपदा राहत के साथ घरों में होने वाले छोटे-बड़े कार्यक्रमों में होता है.आज के दौर में जहां लाइसेंसी ड्रोन के रोजगार की कमी देखने को मिल रही है, वहीं अब ड्रोन को रोजगार के साथ जोड़ने के लिए इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एजेंसी यानी ITDA प्रदेश के हर जिले में एक ड्रोन स्कूल खोलने जा रही है. इसमें युवाओं को ड्रोन प्रशिक्षण की कक्षाएं शुरू की जाएंगी. सबसे पहले इसकी शुरुआत ऋषिकेश के आईडीपीएल स्कूल से होगी. इसके बाद लगातार अन्य जगहों में व्यवस्था के मुताबिक ड्रोन ट्रेनिंग

की व्यवस्था की जाएगी.आपको यहाँ ये भी बता दें कि 18 साल से ऊपर पॉलिटेक्निकल व आईटीआई और अन्य छात्रों को ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि आपदा ग्रस्त क्षेत्रों में राहत बचाव के अलावा ड्रोन से जुड़े रोजगार के अवसर भी इस क्षेत्र में बढ़ाए जा सके. बता दें कि वर्तमान में ड्रोन स्पेशलिस्ट मास्टर की ट्रेनिंग चल रही है, जिनके द्वारा आगे का कार्य संचालित किया जाएगा.इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एजेंसी यानी ITDA के निदेशक ADG अमित सिन्हा के अनुसार, इस योजना को इस वर्ष के अंत तक राज्य के सभी पुलिस और सिविल वयस्क छात्रों के लिए सभी जनपदों में एक स्कूल खोलकर ड्रोन प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा.

ऑनलाइन इश्क़ और शादी, दुल्हन निकली किन्नर, हरिद्वार का मामला

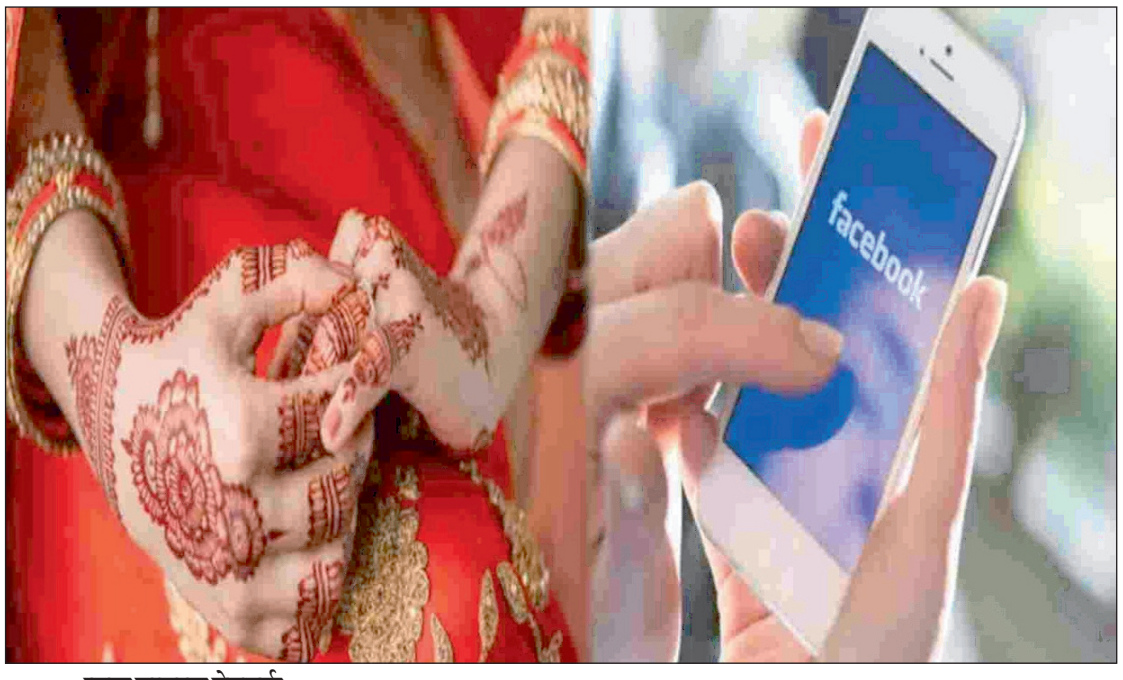

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 नवम्बर , प्यार अँधा होता है सुना होगा आपने , लेकिन हम आपको सच में बता रहे हैं कि अंधे प्यार में क्या होता है। इश्क़ लड़की से किया तो ठीक मगर सच्चाई में जब वो दुल्हन बनकर सामने आयी तो निकली किन्नर ..... हरिद्वार के लक्सर क्षेत्र में एक युवक पर इश्क का ऐसा बुखार चढ़ा की वह अपनी प्रेमिका का असली सच ही नहीं जान सका। यही नहीं उसने सोचा था कि उसकी प्रेमिका लड़की है लेकिन वो तो अजनाने में किन्नर के जाल में ही फंस गया और शादी रचा ली. शादी की पहली रात जैसे ही सच्चाई उसके सामने आई तो युवक के पैरों तले जमीन खिसक गई. उसने नई नवेली दुल्हन से रिश्ता तोड़ने की मिन्नत की लेकिन बात नहीं बनी. किन्नर ने 5 लाख रुपये की मांग कर डाली. अब आशिकी का भूत उतरा है और दूल्हे मियाँ ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है.

दरअसल, लक्सर कोतवाली क्षेत्र के रायसी में रहने वाले एक युवक की सोशल मीडिया पर कुछ दिनों पहले एक युवती से दोस्ती हुई. युवती ने बताया कि वह हरियाणा के हिसार की रहने वाली है. फ्रेंडशिप के बाद दोनों के बीच लगातार चैट होने लगी. देखते ही देखते दोस्ती प्यार में बदल गई. प्यार परवान चढ़ा तो दोनों ने इस रिश्ते को नाम देने का फैसला किया. दोनों ने लव मैरिज करने का फैसला कर लिया. युवती लक्सर आने के लिए राजी हो गई. बताया जा रहा है कि लक्सर में ही दोनों ने मंदिर में शादी कर ली. यह भी बताया जा रहा है कि युवक और युवती की शादी की भनक परिवारवालों को नहीं लगी.

शादी तोड़ने को मांगी रकम

शादी के बाद युवक अपनी नई नवेली दुल्हन को घर लेकर आ गया तो घरवाले हैरान रह गए. हालांकि उन्होंने दोनों को स्वीकार कर लिया. इसी बीच लव स्टोरी में ट्विस्ट आया. सुहागरात पर जब युवक को पता चला कि जिससे उसने शादी की है, वह लड़की नहीं बल्कि किन्नर है. यह पता चलते ही युवक के होश उड़ गए. युवक को समझ आया कि उससे बड़ी भूल हो गई है और बड़ी ठगी का शिकार हो गया है. उसने जब नई नवेली दुल्हन यानी किन्नर से शादी तोड़ने की बात कही तो उसने 5 लाख की रकम मांग कर डाली. उसने पुलिस से मदद मांगी है ताकी वो अपनी जान इस मुसीबत से बचा सके। ये घटना समाज को सबक देने वाली है कि ऑनलाइन दोस्ती और प्यार हमेशा खरा नहीं उतरते हैं।

मुख्यमंत्री ने आजाद हिन्द फौज के महानायक वीर शहीद केसरी चन्द को अर्पित की श्रद्धांजलि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 2 नवम्बर ,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आजाद हिन्द फौज के महानायक वीर शहीद केसरी चन्द को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि आजाद हिन्द फौज के महानायक शहीद केसरी चन्द जौनसार भावर के साथ ही सभी उत्तराखण्डवासियों के गौरव है। वीर शहीद केसरी चन्द युवा समिति को शहीद केसरी चन्द के जन्मोत्सव पर इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए समिति को 5 लाख रूपये प्रदान किये जाने की घोषणा की। उन्होंने राज्य के संग्रहालय में वीर शहीद केसरी चन्द का चित्र स्थापित किए जाने की घोषणा के साथ ही देहरादून स्थित लैंसडाउन चौक का नाम शहीद केसरी चन्द के नाम पर रखे जाने संबंधी समिति की मांग पर विचार किये जाने की भी बात कही।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने पेवेलियन ग्राउण्ड में वीर शहीद केसरी चन्द के 103वें जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विशेषकर उत्तराखण्ड के युवाओं को हमारे वीर शहीदों के जीवन से प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने राष्ट्रीय स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को भी शुभकामनाएँ दी।म

ुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिक पुत्र होने के नाते वीर सैनिकों के कार्यक्रमों में आना उनके लिए हमेशा एक गौरव का क्षण होता है। नेताजी सुभाष चंद बोस ने जब आजाद हिन्द फौज का गठन किया तो उत्तराखण्ड के बहुत से वीर सपूत भी इसमें शामिल हुए तथा नेताजी के आह्वाहन पर हमारे राज्य के बहादुर सैनिक भी अपना सर्वोच्च बलिदान देने के लिए आगे आए। हमें अपनी सैनिक विरासत पर गर्व है। उत्तराखंड के वीर सपूत

शहीद केसरी चन्द जी ने भी आजाद हिन्द फौज में शामिल होकर भारत की आजादी के संघर्ष में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका बलिदान उत्तराखण्डवासियों को सदैव याद रहेगा तथा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।उन्होंने कहा कि हमारी वीरभूमि सैनिक बाहुल्य राज्य है और सैन्य परम्पराएं हमारी महान विरासत है। जिनमें एक बड़ा योगदान जनजातीय समाज का है, जिसका प्रतिनिधित्व शहीद केसरी चन्द ने बखूबी किया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के इसी योगदान को देखते हुए आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा पिछले वर्ष की थी जिसे हमारी सरकार ने पिछले वर्ष अत्यंत धूमधाम से मनाया और मुझे आप सभी को बताते हुये हर्ष हो रहा है कि इस वर्ष भी यह कार्यक्रम हमारे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव के आयोजन में देश के लिये अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले वीर सैनानियों का स्मरण करने का पुनीत कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रदेश देश की सुरक्षा में सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य है। यही कारण है कि उत्तराखंड के नौजवान हमेशा से ही देश की रक्षा के लिए सदैव उत्साहित रहते हैं। हमारी नई पीढ़ी भी उत्साह के साथ अपनी सैनिक विरासत को आगे ले जा रही है और देवभूमि का नाम भी रोशन कर रही है। राज्य के सैनिक तथा उनके परिवारों का कल्याण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम सैनिकों व उनके परिवारों की मदद के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की हर संभव मदद के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले हमारे अमर शहीद सैनिकों के आश्रितों के लिए राजकीय सेवाओं में नौकरी का भी प्रावधान किया गया है, ताकि हमारे सैनिक परिवारों को भविष्य में किसी भी तरह की समस्याओं का सामना न करना पड़े, इसके लिये हमारी सरकार, शहीद सैनिकों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी में भी समायोजित कर रही हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में देहरादून में भव्य सैन्य धाम की स्थापना भी की जा रही है, जो शीघ्र ही बनकर तैयार हो जाएगा, जिसमें सभी शहीदों की स्मृतियों को संजोया जायेगा।

आंचल डेरी प्लांट में खाद्य संरक्षा विभाग ने जांची गुणवत्ता, सैम्पल भेजे गए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 नवम्बर। जिलाधिकारी सोनिका ने जनपद खाद्य पदार्थों की नियमित जांच हेतु अभियान चलाये जाने के निर्देश दिए गए है, जिसके क्रम में एफडीए टीम द्वारा खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए जा रहे है।

इसी क्रम में एफडीए देहरादून की टीम दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ रायपुर स्थित प्लांट में पहुंची जहां पर आंचल ब्रांड के नाम से पैक्ट फुल क्रीम, मिल्क डबल टोंड, स्किम्ड मिल्क स्टैंडर्डाइज, मिल्क आदि मिल्क प्रोडक्ट तैयार किए जाते हैं प्रतिदिन लगभग 8 से 10000 लीटर प्लांट में तैयार होता है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना के तहत फोर्टीफाइड फ्लेवर्ड स्किम्ड मिल्क पाउडर भी तैयार किया जाता है जिसमें विटामिन ए और डी भी ऐड कर दूध को फोर्टीफाइड किया जा रहा है तथा फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के दिशा निर्देश के अनुरूप प्लस ऐफ लोगो को भी फोर्टीफाइड मिल्क की पहचान हेतु लेवल में लगाया जा रहा है। उक्त दूध को स्कूलों में पोषाहार आपूर्ति हेतु तैयार किया जा रहा है उक्त दूध की क्वालिटी जांच हेतु पैकेट बंद एवं लूज दूध के पांच नमूने क्वालिटी जांच हेतु रुद्रपुर प्रयोगशाला में भेजे गए हैं।

निरीक्षण के दौरान स्वच्छता संबंधी मानकों में कमियां पाई गई जिसके सुधार के संदर्भ में धारा 32 के तहत डेरी इंचार्ज को नोटिस दिया गया है यदि इसमें विहित समय सीमा के भीतर सुधार नहीं किये जाने पर खाद्य सुरक्षा मानक के तहत कार्रवाई की जाएगी। राजकीय लेब रुद्रपुर से जांच रिपोर्ट के अनुसार उसमें आगे खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी टीम में जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी पीसी जोशी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश सिंह योगेंद्र पांडे व मंजू रावत आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

रोजगारपरक शिक्षा का माध्यम बने हिंदी

पिछले दिनों मध्य प्रदेश में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए हिंदी की कुछ पुस्तकों का विमोचन किया गया, तो इसके पक्ष-विपक्ष में बहस शुरू हो गयी. यह बहस तुरंत ही, जैसा कि होता आया है, हिंदी बनाम अंग्रेजी में बदल गयी. जबकि मुद्दा यह होना चाहिए था कि माध्यम अंग्रेजी ही रहे या भारतीय भाषाएं भी हों, जिनमें हिंदी भी एक है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 शिक्षा के अनेक क्षेत्रों में बदलाव लाने की कोशिश करती है और उनमें से एक शिक्षा का माध्यम है, जिसमें विद्यालयों-महाविद्यालयों में, जहां तक संभव हो मातृभाषा में शिक्षा दी जायेगी. इस नीति में कहा गया है कि सभी स्कूलों में कक्षा पांच तक की शिक्षा का माध्यम मातृभाषा (घर बोली) होगी और उच्चतर संस्थानों में भी हिंदी को वरीयता दी जायेगी. यह कोई अनोखी संस्तुति नहीं थी. शिक्षा क्षेत्र में कोठारी आयोग (1966) से लेकर आज तक जितने आयोग और समितियां बनी हैं, सब ने इसकी संस्तुति की है, किंतु संस्तुतियां धरी रह जाती हैं. राजनीति आड़े आ जाती है और मामला जस का तस बना रहता है. विश्वभर के प्रतिष्ठित भाषा विज्ञानी और मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मातृभाषा से भिन्न माध्यम से पढ़ाई करने से रचनात्मक प्रतिभा नहीं आती है. माध्यम मातृभाषा न होने पर विद्यार्थी विषय को समझे बिना, गहराई से परखे बिना केवल रटकर उत्तर दे देता है और डिग्री पा जाता है, किंतु विशेषज्ञता और कौशल नहीं प्राप्त कर पाता. मेडिकल किताबों का अनुवाद चीनी, जापानी, रूसी में भी हुआ है, तो ऐसा हिंदी या अन्य प्रमुख भारतीय भाषाओं में क्यों नहीं हो सकता! लेकिन ऐसा करने के लिए पहले एक पूरा ढांचा तैयार करना होगा, जिसमें मुख्य समस्या पारिभाषिक शब्दावली की होगी. मुख्य परिभाषिक शब्द मेडिकल साइंस और अन्य तकनीकी विषयों में अन्य भाषाओं में अपना लिये गये हैं क्योंकि ऐसा करने से उनकी ग्राह्यता और संप्रेषणीयता बनी रहती है. अच्छा होता भारतीय विद्यार्थियों के लिए कुछ तकनीकी शब्दों के सरल हिंदी या भारतीय भाषाओं में प्रचलित शब्द भी दिये जाते और कोष्ठक में अंग्रेजी के वैश्विक शब्द भी. ऐसा नहीं हो पाया है, किंतु यह शुरुआत है. आलोचना का दूसरा पहलू है कि हिंदी माध्यम से पढ़े हुए छात्र का स्तर अंग्रेजी माध्यम के छात्र से कम होगा. इसका कोई तर्कसंगत आधार नहीं है. यदि शिक्षक अच्छे हैं, अच्छे संसाधन उपलब्ध हैं (पुस्तकें भी जिनमें आती हैं), तो स्तर कम नहीं हो सकता. यह अवश्य है कि भिन्न भाषा से पढ़े हुए डॉक्टर पढ़ाई के बाद विदेश में उच्च शिक्षा या रोजगार के लिए संभवतः नहीं जा सकेंगे, किंतु आज भी अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने वाले सारे डॉक्टर तो विदेश नहीं चले जाते. देश के रोगियों से देश की भाषा में अच्छा संवाद हो सकता है. हमें बड़ी संख्या में डॉक्टरों की आवश्यकता भी है. प्रारंभिक स्तर से लेकर उच्चतर स्तर तक अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा पाये हुए डॉक्टर संभ्रांत परिवारों से होते हैं और उनका लक्ष्य ब्रिटेन, अमेरिका में सेवा करना न भी हो, तो भी वे बड़े या अच्छे शहरों में रहना पसंद करते हैं. इसके विपरीत हिंदी माध्यम से पढ़कर डॉक्टर बने लोग खुशी-खुशी गांव-देहात की नियुक्तियां स्वीकार करेंगे, यह आशा की जा सकती है. बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा न देना मानवाधिकारों का हनन है और एक लोकतांत्रिक देश में मानवाधिकारों की रक्षा करना सरकार का काम है.

ऊर्जा निगम की SOP, समय पर समस्या नहीं सुलझाई तो उपभोक्ता को दोगुना भुगतान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 नवंबर , उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग द्वारा ऊर्जा निगम के लिए एसओपी (कार्य निष्पादन के मानक) विनियम-2022 जारी की गई है। बुधवार को जारी एसओपी के अनुसार विनियम में उल्लेखित सेवा के समय के अनुसार कार्य न करने पर उपभोक्ताओं को दोगुना भुगतान करना होगा।बीते 15 वर्षों के अंतराल में नियामक एवं तकनीकी क्षेत्र में हुए परिवर्तन अथवा विभिन्न प्राधिकारियों द्वारा समय-समय पर संसूचित अधिसूचना के अनुरूप बुधवार को एसओपी जारी की गई। इस दौरान बताया गया कि उक्त एसओपी राज्य में 08.10.2022 से प्रभावी होगी।

ऊर्जा निगम के लिए जारी की एसओपी के ये हैं हाइलाइट्स -

*एसओपी के अनुसार विनियम में उल्लेखित सेवा का समय पर निस्तारण न करने पर उपभोक्ताओं को दोगुना भुगतान करना होगा।

*घरेलू उपकरणों के फुंकने / खराब होने पर प्रतिपूर्ति में पूर्व में प्राविधानित धनराशि से दस गुना तक बढ़ोत्तरी की गयी है।

*नये संयोजन को निर्गत किये जाने / लोड बढ़ाने अथवा घटाने में हुए विलम्ब पर व्यथित आवेदक / उपभोक्ता को मुआवजे का प्रावधान।

*लाईन / पोल / ट्रांसफॉर्मर स्थानान्तरण को आवेदक / उपभोक्ता सेवा के अंतर्गत 'अन्य सेवायें' शीर्षक में पहली बार सम्मिलित किया गया है तथा निर्धारित समयावधि के विपरीत विलम्ब पर प्रतिपूर्ति का प्रावधान भी किया गया है।

*वितरण अनुज्ञापी द्वारा शिकायत निस्तारण प्रक्रिया का विशेष विवरण तथा उपभोक्ताओं को प्रतिपूर्ति दिये जाने की प्रक्रिया का प्रावधान किया गया है।

*उपभोक्ता द्वारा प्रतिपूर्ति क्लेम किये जाने हेतु प्रारूप निर्धारित किया गया है तथा नौ माह के बाद ऑनलाइन क्लेम की व्यवस्था बनाने को कहा गया है।

*विभिन्न रिपोर्टिंग प्रारूपों का मानकीकरण कर विनियमों में सम्मिलित किया गया है।

*शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत के पंजीकरण एवं प्रतिपूर्ति धनराशि से सम्बन्धित ऑनलाइन सुविधा देने के लिए उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड को नौ माह के अन्दर चरणबद्ध तरीके से व्यवस्था बनाने को कहा गया है।

टिहरी सांसद लापता - आप ने दर्ज़ कराया मुकदमा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 नवंबर , टिहरी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह पर निर्वाचन क्षेत्र से गायब रहने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी ने नेहरू कालोनी पुलिस चौकी में मंगलवार को उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस चौकी में आप के प्रदेश उपाध्यक्ष आरपी रतूड़ी ने कहा कि लंबे समय से टिहरी सांसद क्षेत्र से गायब हैं। विकास कार्य ठप पड़े हैं।इसके पहले आपको बता दें कि भाजपा के ही कार्यकर्त्ताओं ने इंटरनेट मीडिया पर सांसद को गुमशुदा बताया है।

आप नेता उमा सिसोदिया ने कहा कि टिहरी सांसद ने अपना प्रोटोकाल एक रानी की तरह बना रखा है। गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र सिंह आनंद ने कहा कि टिहरी सांसद ने जनप्रतिनिधि की भाषा ही बदल दी है। जाहिर होता है कि भाजपा राजा-महाराजाओं की पार्टी है। इस मौके पर प्रदेश सचिव नासिर खान, प्रदेश प्रवक्ता विपिन खन्ना, मुकेश पांडे, कमलेश रमन, अल्पसंख्यक मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष रेहाना परवीन, सुरेश सैनी, अशोक सेमवाल सुधा पटवाल मौजूद रहे।

टॉयलेट सीट से 10 गुना ज्यादा गंदा रहता है आपका फोन !

देहरादून , 2 नवम्बर। आप अपने हाथों की और आसपास की चीज़ों की सफाई का खूब ख्याल रखते होंगे, लेकिन शायद ही आप ये जानते होंगे कि आपके हाथों में हर वक्त रहने वाला फोन ही सबसे ज्यादा गंदा है. एक स्टडी के मुताबिक फोन पर टॉयलेट सीट से भी 10 गुना ज्यादा बैक्टीरिया मौजूद होते हैंहमारी ज़िंदगी में पिछले एक दशक में मोबाइल फोन ने अपनी जगह इतनी अहम बना ली है कि लोगों के हाथ में हर वक्त आप फोन देख सकते हैं. चाहे कहीं घूमने जाना हो, खाना बनाना हो, घर में हों या फिर सोने से पहले, फोन हमेशा ही हाथों में चिपका ही रहता है. ऐसे में क्या आपने कभी ये सोचा है कि हर वक्त आपके हाथ में रहने वाले फोन में कितने बैक्टीरिया रहते हैं? अगर नहीं, तो चलिए हम आपको बताते हैं चौंकाने वाली सच्चाई. आप अपने हाथों की और आसपास की चीज़ों की सफाई का खूब ख्याल रखते होंगे, लेकिन शायद ही आप ये जानते होंगे कि आपके हाथों में हर वक्त रहने वाला फोन ही सबसे ज्यादा गंदा है. एक स्टडी के मुताबिक फोन पर टॉयलेट सीट से भी 10 गुना ज्यादा बैक्टीरिया मौजूद होते हैं. ये जानकर आपको हैरानी होगी कि हम अपने हाथों को साफ रखने के बाद भी इतने जर्म्स को अपने फोन के ज़रिये हाथों में ट्रांसफर कर लेते हैं.टॉयलेट से भी ज्यादा गंदा है फोन !

कोरोनाकाल में लोगों ने हाथ धोने और साफ-सफाई का पाठ सीखा था. वे हाथों में बैक्टीरिया न रह जाएं, इसलिए इसे बार-बार सैनेटाइज़ भी करते थे, लेकिन महामारी जाने के बाद एक बार फिर लोगों की आदतें वैसे ही हो गईं. जो चीज़ हमारे हाथों से जर्म्स और बैक्टीरिया खत्म नहीं होने देती है, वो है हमारा मोबाइल. एक स्टडी के मुताबिक टीनएजर्स के मोबाइल पर कम से कम 17 हज़ार बैक्टीरिया होते हैं, जो एक आम टॉयलेट सीट से भी 10 गुना ज्यादा है. हम हज़ारों बार अपने फोन छूते हैं और फिर उसी हाथ को मुंह पर लगा लेते हैं. ऐसे में इंफेक्शन का खतरा बना रहता है.

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

हिमालयन हॉस्पिटल ट्रस्ट के संस्थापक स्वामी राम जी श्रेष्ठ योगी थे : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 नवम्बर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जौलीग्रान्ट स्थित स्वामी राम हिमालय विश्व विद्यालय में चिकित्सा शिक्षा पर 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने कौशल व अनुरूपण उत्कृष्टता केन्द्र का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालयन इन्स्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट, के संस्थापक स्वामी राम जी एक महान मानवतावादी, दार्शनिक, शिक्षक एवं श्रेष्ठ योगी थे। स्वास्थ्य देखभाल और आजीविका कौशल प्रदान करके इस पहाड़ी राज्य में अवसरों की कमी को दूर करने के उद्देश्य से उन्होंने हिमालयन इंस्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट की स्थापना की थी। उनका मत था कि मानव शरीर भगवान का मंदिर है और अपने साथी प्राणियों की निस्वार्थ सेवा करना ही प्रार्थना का सर्वोच्च रूप है। उनकी प्रेरणा से ही यह संस्थान देश को कई वर्षों से अपनी उत्कृष्ट सेवाऐं प्रदान करता रहा है। आज हिमालयन आयुर्विज्ञान संस्थान प्रदेश में चिकित्सा के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में चिकित्सा सुविधाओं में सुधार के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और चिकित्सा के क्षेत्र में सुधार के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राज्य में निःशुल्क जांच योजना प्रारम्भ की है। जिसके तहत मरीजों को 207 प्रकार की पैथोलॉजिकल जांचों की निःशुल्क सुविधा दी जा रही है। आज प्रदेश में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। प्रत्येक जिले में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किए गए हैं। उत्तराखंड में आयुष्मान योजना के अन्तर्गत 42 लाख 90 हजार से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। आयुष्मान योजना के अंतर्गत अब तक

5 लाख 83 हजार से अधिक मरीज मुफ्त में उपचार करा चुके हैं। इस कल्याणकारी योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के उपचार पर अब तक 1020 करोड़ खर्च किये जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कोविड महामारी के दौरान आशा वर्कर, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व पर्यावरण मित्रों को पांच माह तक 2-2 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। हाल ही में भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय से उत्तराखंड रक्तदान में देश भर में द्वितीय स्थान प्रसप्त हुआ। उन्होंने कहा कि योग्यता आधारित चिकित्सा पाठ्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सपना रहा है। अगर हमें आगे बढ़ना है तो अपने छात्रों को सही ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण से सज्जित करना होगा। यह आज के समय की मांग भी है। कोविड महामारी ने सिखाया है कि हम सभी को किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारे मेडिकल कॉलेज को नियमित शिक्षण के साथ-साथ ई-शिक्षण के लिए तैयार रहना चाहिए तथा ई-मॉड्यूल और टेलीमेडिसिन से सुसज्जित रहना चाहिए। ताकि आने वाले समय में हम हर प्रकार से चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट बनें रहें और भविष्य की समस्याओं का सफलतापूर्वक सामना कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे मेडिकल छात्र ही भविष्य के भारत में उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं का निर्धारण करेंगें। इसलिए चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर हमें विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

रोगियों के कल्याण के लिए चिकित्सा शिक्षा से जुड़े छात्रों के कौशल और व्यवहार को परिष्कृत करने पर लगातार ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों से को चिकित्सा शिक्षा, ई-लर्निंग और सिमुलेशन लैब के लिए मजबूत मॉड्यूल विकसित करने हेतु आपस में सहयोग और समन्वय से कार्य करना होगा। उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में देश और दुनिया का नाम रोशन करें। इसके लिये सरकार हरसंभव सहयोग और सहायता प्रदान करेगी।इस अवसर पर नीति आयोग दिल्ली के सदस्य डॉ. विनोद कुमार पॉल , स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजय धस्माना , प्रतिकुलपति डॉ. विजेन्द्र चौहान, हिमालयन आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. अशोक देवराड़ी, एसोसिएशन ऑफ हैल्थ प्रोफेशन एजुकेशन की अध्यक्ष डॉ. अंशु मौजूद थे।

स्वास्थ्य सेवाओं के लाभ से कोई ना रहे वंचित : डॉक्टर बीके पॉल

नीति आयोग के सदस्य डॉ बीके पॉल का उत्तराखंड दौरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

स्वास्थ्य सेवाओं के लाभ से कोई वंचित ना रहे यह बात स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने के लिए उत्तराखंड पहुंचे भारत सरकार के नीति आयोग के सदस्य डॉ बीके पाल ने प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण करते हुए कही है। डॉ पॉल ने हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर भानियावाला और शेरगढ़ का निरीक्षण किया , जहां उन्होंने कार्य कर रहे अधिकारी कर्मचारियों से बात करते हुए कहा कि हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर का मुख्य उद्देश्य उनके क्षेत्र में रहने वाले लोगों की ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, खून की जांच , ग्लूकोस, यूरिक एसिड और अन्य बीमारियों की जांच और स्क्रीनिंग सुनिश्चित करना है , ताकि समय पर बीमारी का पता लगाकर उसका इलाज किया जा सके। इसके साथ ही आवश्यक दवा सूची

के अनुसार सभी हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दवाई उपलब्ध होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान डॉ पॉल द्वारा पाया गया कि पात्र लाभार्थियों की सौ फीसद आभा आईडी , आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट नहीं बन पा रहा है। जिसमें अधिकारियों कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिया है। योग प्रशिक्षण और ई संजीवनी के माध्यम से इसके बारे में विस्तृत रूप से जानकारी ली और व्यापकता पर जोर दिया इसके साथ-साथ स्वास्थ विभाग द्वारा जन आरोग्य अभियान के बारे में बताया इसके अंतर्गत आम जनमानस में गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग की जा रही है।

कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने तीन वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 नवम्बर। आप अपने हाथों की और आसपास की चीज़ों की सफाई का खूब ख्याल रखते होंगे, लेकिन शायद ही आप ये जानते होंगे कि आपके हाथों में हर वक्त रहने वाला फोन ही सबसे ज्यादा गंदा है. एक स्टडी के मुताबिक फोन पर टॉयलेट सीट से भी 10 गुना ज्यादा बैक्टीरिया मौजूद होते हैंहमारी ज़िंदगी में पिछले एक दशक में मोबाइल फोन ने अपनी जगह इतनी अहम बना ली है कि लोगों के हाथ में हर वक्त आप फोन देख सकते हैं. चाहे कहीं घूमने जाना हो, खाना बनाना हो, घर में हों या फिर सोने से पहले, फोन हमेशा ही हाथों में चिपका ही रहता है. ऐसे में क्या आपने कभी ये सोचा है कि हर वक्त आपके हाथ में रहने वाले फोन में कितने बैक्टीरिया रहते हैं? अगर नहीं, तो चलिए हम आपको बताते हैं चौंकाने वाली सच्चाई. आप अपने हाथों की और आसपास की चीज़ों की सफाई का खूब ख्याल रखते होंगे, लेकिन शायद ही आप ये जानते होंगे कि आपके हाथों में हर वक्त रहने वाला फोन ही सबसे ज्यादा गंदा है. एक स्टडी के मुताबिक फोन पर टॉयलेट सीट से भी 10 गुना ज्यादा बैक्टीरिया मौजूद होते हैं. ये जानकर आपको हैरानी होगी कि हम अपने हाथों को साफ रखने के बाद भी इतने जर्म्स को अपने फोन के ज़रिये हाथों में ट्रांसफर कर लेते हैं.टॉयलेट से भी ज्यादा गंदा है फोन !

कोरोनाकाल में लोगों ने हाथ धोने और साफ-सफाई का पाठ सीखा था. वे हाथों में बैक्टीरिया न रह जाएं, इसलिए इसे बार-बार सैनेटाइज़ भी करते थे, लेकिन महामारी जाने के बाद एक बार फिर लोगों की आदतें वैसे ही हो गईं. जो चीज़ हमारे हाथों से जर्म्स और बैक्टीरिया खत्म नहीं होने देती है, वो है हमारा मोबाइल. एक स्टडी के मुताबिक टीनएजर्स के मोबाइल पर कम से कम 17 हज़ार बैक्टीरिया होते हैं, जो एक आम टॉयलेट सीट से भी 10 गुना ज्यादा है. हम हज़ारों बार अपने फोन छूते हैं और फिर उसी हाथ को मुंह पर लगा लेते हैं. ऐसे में इंफेक्शन का खतरा बना रहता है.